



इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

IGNOU DIGI NEWS

19th July 2021

RC- Varanasi

Press Clipping

वाराणसी जागरण

इग्नू के ज्योतिष पीजी पाठ्यक्रम में काशीवासियों का सर्वाधिक रुझान

वकील, डाक्टर, इंजीनियर, अफसरों ने एक जुलाई से शुरु कोर्स में लिया दाखिला

हिमांशु अस्थाना • वाराणसी



IGNOU

उत्साह

- बनारस के 42 अभ्यर्थियों ने कराया एडमिशन और 23 ने लिया प्रवेश
- 582 अभ्यर्थियों का पंजीकरण, एक ही वर्ष में कोर्स छोड़ने वालों को भी डिप्लोमा

तमाम विरोधों के बीच इग्नू में इस माह शुरू हुए ज्योतिष विद्या के पीजी कोर्स के लिए बनारस का रुझान देश भर में सबसे बेहतर है। बीएचयू स्थित इग्नू इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी के क्षेत्रीय केंद्र में अब तक दो दर्जन से अधिक छात्र प्रवेश ले चुके हैं, जबकि 42 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण करा लिया है। वहीं देश भर में 582 अभ्यर्थियों का आनलाइन पंजीकरण हुआ है।

खास बात यह कि इग्नू के इस ज्योतिष कोर्स में आवेदन करने वाले ज्यादातर वकील, डाक्टर, इंजीनियर, रिटायर्ड कर्नल, अधिकारी जैसे प्रोफेशन के लोग आ रहे हैं।

नई दिल्ली स्थित इग्नू में ज्योतिष के कार्यक्रम समन्वयक और ज्योतिषाचार्य डा. देवेश कुमार मिश्र ने बताया कि इस कोर्स के लिए

अधिकतम उम्र की कोई बाधकता नहीं है। वहीं बनारस के लोग इसमें प्रवेश लेने के लिए देश में सबसे अधिक रुचि दिखा रहे हैं। ज्योतिष को अंधविश्वास बताकर कोर्स का विरोध करने वाले लोगों को बनारस के लोगों से सीखना चाहिए। सबसे जरूरी बात उन्होंने बताया कि इस

अभी बनारस से और बढ़ेगी संख्या

इग्नू में वाराणसी सेंटर के क्षेत्रीय निदेशक डा. उपेंद्र नभ त्रिपाठी ने बताया है कि बनारस से 42 अभ्यर्थियों का पंजीकरण और 23 छात्रों का एडमिशन हो चुका है। वहीं प्रवेश पाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई तक है, इसलिए अभी काफी संख्या बढ़ने की संभावना है। इसकी कक्षाएं सितंबर से शुरू हो जाएंगी। अभी यहां सबसे अधिक पूछताछ ज्योतिष के इसी कोर्स के लिए हो रही है। वहीं बीएचयू स्थित इग्नू का यह केंद्र ज्योतिष पीजी में देश में सबसे अधिक एडमिशन देने वाले सेंटर के रूप में स्थापित हो रहा है। इसके अलावा अन्य पाठ्यक्रमों में सूचना सुरक्षा में परास्नातक और सरल संस्कृत बोध में भी छात्रों की रुचि बढ़ी है।

कोर्स को यदि कोई एक ही वर्ष में छोड़ देता है तो उसे ज्योतिष में पीजी डिप्लोमा की उपाधि दे दी जाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत इस कोर्स को काफी व्यावहारिक बनाया गया है।

पीजी के लिए ज्योतिष में स्नातक अनिवार्य नहीं: बीएचयू में ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष प्रो. विनय पांडेय और देश भर के ज्योतिषाचार्यों द्वारा

इसका पाठ्यक्रम इतना आसान बनाया गया है कि किसी भी सेक्टर का व्यक्ति ज्योतिष की कला सीखने के साथ उपाधि भी ले सकता है। वहीं पीजी करने की योग्यता के लिए स्नातक में ज्योतिष होना अनिवार्य नहीं है।

यह और अन्य स्थानीय खबरें
www.jagran.com पर पढ़ें